Regarding protection of crops from damage caused by Nilgai in Bihar-laid

डॉ. संजय जायसवाल (पश्चिम चम्पारण) : बिहार में घोड़परास या नीलगायों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने का इतिहास रहा है, जिससे फसलों के उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है । गंगा और गंडक बेसिन वाले कई जिलों में किसानों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ता है । बिहार में घोड़परास/नीलगाय सैकड़ों हजार किसानों के लिए खतरा बन गई है क्योंकि कोई भी निवारक उपाय काम नहीं कर रहा है । कटाई के लिए तैयार उपज वाले भूमि के बड़े हिस्से को नीलगायों के झुंड नष्ट कर देते हैं । किसानों के लिए अपनी पकती फसल को नीलगायों से बचाने के लिए रात भर बाहर बैठना बहुत मुश्किल है और ना ही किसी किसान को इसका कोई मुआवजा मिला है । मैं केंद्र सरकार से इस चिंताजनक स्थिति के ठोस समाधान के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह करता हूं, जहां घोड़परास/नीलगाय बिहार के विभिन्न जिलों में फसलों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रही हैं और गरीब किसानों को भारी नुकसान पहुंचा रही हैं ।